ये रोहित के लिए भावुक फैसला था क्योंकि वह लंबे समय तक टीम के कप्तान रहे हैं। हम उन्हें एक लीडर के तौर पर देखते हैं। इस बयान से पंत साफ करने की कोशिस की टीम में कोई रोहित के खिलाफ नहीं है। - ऋषभ पंत

भारतीय खिलाड़ी, रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारत के पूर्व क्रिकेटरों सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री का मानना है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट शायद रोहित शर्मा का आखिरी टेस्ट था जिन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से खुद को बाहर रखा है। सैतीस वर्ष के रोहित ने पांचवें टेस्ट में खुद को आराम देने का फैसला किया है। रोहित तीन टेस्ट की पांच पारियों में 31 रन ही बना सके।गावस्कर ने पहले दिन के खेल के दौरान लंच ब्रेक में कहा, " इसके मायने हैं कि अगर भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं करता है तो मेलबर्न टेस्ट रोहित का आखिरी टेस्ट होगा।"

क्या आप जानते हैं ?... फुटबॉल खेल के भारतीय खिलाड़ी जो सबसे प्रसिद्ध हैं उनका नाम है सुनील छेत्री। सुनील छेत्री इंटरनेशनल फुटबॉल में भी एक्टिव फुटबॉल गोल स्कोरर में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 72 गोल किए हैं।

भारत पहली पारी में 185 रन पर ढेर

ऑस्ट्रेलिया का भी एक विकेट गिरा

सिडनी, 3 जनवरी। बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को स्कॉट बोलैंड (चार विकेट), मिचेल स्टार्क (तीन विकेट) तथा पैट कमिंस (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहली पारी में 185 रनों पर ढ़ेर करने के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय एक विकेट पर नौ रन बना लिये है।

भारत के 185 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तीन ओवर में नौ रन पर एक विकेट गवां दिया। तीसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख़्वाजा (दो) रन पर आउट कर भारत का पहली सफलता दिलाई। स्टंप के समय सैम कॉन्स्टास (नाबाद सात) क्रीज पर थे।

इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 11 के स्कोर पर केएल राहुल (चार) का विकेट गवां दिये। उन्हें मिचेल स्टार्क ने कॉन्स्टास के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बोलैंड ने यशस्वी जयसवाल (10) को आउट कर भारत को दूसरा झटका दिया। शुभमन गिल (20) रन बनाकर आउट हुये।

भारत का चौथा विकेट विराट कोहली (17) के रूप में गिरा। हालांकि इसके बाद ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने भारत की लडखडाती पारी को संभाला। भारत ने चायकाल तक चार विकेट पर 107 रन बना लिये थे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के बीच 48 रन की साझेदारी हुई है। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी साझेदारी थी।

चायकाल के भारतीय टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पांचवां विकेट के रूप में ऋषभ पंत आउट हुये। उन्होंने 98 गेंदों में तीन चौके और छक्का लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। उन्हें बोलैंड ने आउट किया। रवींद्र जाडेजा (26), नीतीश कुमार रेड्डी (शून्य), वॉशिंगटन सुंदर (14) और प्रसिद्ध कृष्णा (तीन) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 17 गेंदों में (22) रनों की पारी खेली। मोहम्मद सिराज तीन रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय पारी 72.2 ओवर में 185 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्कॉट बोलैंड ने चार विकेट तथा मिचेल स्टार्क ने तीन, पैट कमिंस ने दो और नेथन ने एक-एक विकेट लिया।

स्कॉट बोलैंड ने तोड़ा 50 साल पुराना रिकॉर्ड, 50 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बने

सिडनी, 3 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ सिडनी में खेले जा रहे मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 50 विकेट पूरे किए। बोलैंड 35 वर्ष 267 दिन की उम्र में खेल के सबसे लंबे प्रारुप में 50 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के बेवन कांग्डन का रिकार्ड तोड़ा है जिन्होंने 37 वर्ष 10 दिन की उम्र में फरवरी 1975 में ये उपलब्धि अपने नाम की थी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे पांचवें मुकाबले के दौरान स्कॉट बोलैंड ने शानदार गेंदबाजी की। पहले दिन उन्होंने 20 ओवर में 31 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने आठ ओवर मेडन डाले। उन्होंने खतरनाक यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली और नितीश कुमार रेड्डी के विकेट चटकाए। जोश हेजलवुड की जगह खेलने वाले बोलैंड ने दमदार प्रदर्शन करके दिखाया है। उन्होंने तीन मैच खेलते हुए 15 विकेट अपने नाम किए। वहीं जोश हेजलवुड सिर्फ दो मैच ही खेल सके हैं और चोट के कारण बाहर हो गए थे। बोलैंड सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज हैं। स्कॉट ने विराट कोहली को सीरीज में तीन बार अपना शिकार बनाया है।

जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान पर 86 रन की बढ़त बनाई

बुलावायो, 3 जनवरी। सिकंदर रजा (61), कप्तान क्रेग एर्विन (75) की अर्धशतकीय और शॉन विलियम्स (49) की शानदार पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 243 को स्कोर खड़ा कर अफगानिस्तान पर पहली पारी के आधार पर 86 रनों की बढ़त बना ली है।

एक बार फिर फेल हुए कोहली

सिडनी, 3 जनवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5वां टेस्ट मैच खेला जा रहा है। सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत का टॉप ऑर्डर एक बार फिर फेल हुआ। विराट कोहली का बल्ला एक बार फिर नहीं चला। वह 69 गेंद पर 17 रन बनाकर आउट हो गए। स्कॉट बोलैंड ने उन्हें चौथी बार आउट किया। 123 मैच के करियर में कोहली पहली बारी इतनी गेंद खेलने के बाद बगैर बाउंड्री लगाए आउट हुए हैं।

भारतीय टीम को पहला झटका 5वें ओवर में लगा। उस दौरान केएल राहुल 4 रन बनाकर मिचेल स्टार की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद 8वें ओवर की चौथी गेंद पर यशस्वी जायसवाल आउट हुए। स्कॉट बोलैंड ने अगली ही गेंद पर विराट कोहली को लगभग आउट कर दिया था। बल्ले का किनारा लेकर गेंद स्लिप में गई। स्टीव स्मिथ ने डाइव लगाई और गेंद पर उछाला। मार्नस लाबुशेन ने कैच किया। थर्ड अंपायर को लगा कि स्मिथ ने जब गेंद ऊपर थ्रो किया तो वह जमीन में लग गई थी।

इसके बाद विराट कोहली संभलकर खेले। लंच तक वह टिके रहे। पहले सेशन की आखिरी गेंद पर शुभमन गिल ने अपना विकेट फेंक दिया। उन्होंने 64 गेंद में 20 रन बनाए। नाथन लियोन को विकेट मिला। लंच के बाद विराट कोहली आउट हो गए। एक बार फिर गेंद ने उनके बल्ले का किनारा लिया और स्लिप में ब्यू वेबस्टर ने कैच लपका। कोहली एक बार फिर भारत को पारी के करियर में कोहली पहली बार इतनी गेंदों का सामना करने के बाद बाउंड्री नहीं लगा पाए।

स्कॉट बोलैंड के सामने विराट कोहली संघर्ष करते दिखे हैं। उन्होंने 6 पारी में 98 गेंद पर 32 रन बनाए हैं। 4 बार आउट हुए हैं। हर बार वह स्लिप या विकेटकीपर को कैच थमा बैठते हैं।

सिडनी टेस्ट में चोटिल होने के बावजूद पंत ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

सिडनी, 3 जनवरी। टीम इंडिया सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 185 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 40 रनों की अहम पारी खेली। पंत इस पारी में गंभीर रूप से चोटिल हो गए। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। पंत ने इस मुकाबले में छक्कों का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ दिया है।पंत ने भारत की पहली पारी के दौरान नंबर पांच पर उतरकर बल्लेबाजी की।

उन्होंने इस दौरान 98 गेंदों का सामना करते हुए 40 रन बनाए। पंत की इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल है। उन्हें बोलैंड ने आउट किया। पंत इस पारी के दौरान चोटिल हो गए। उनके हाथ पर गेंद लगई जहां खून का थक्का जम गया। लेकिन पंत ने इसका करारा जवाब दिया वे भारत के लिए अहम पारी खेलने के बाद ही आउट हो गए। ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा को पछाड़ दिया है। पंत ने कुल 11 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित ने 10 छक्के जड़े हैं। इस मामले में नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 8 छक्के लगाए हैं।

सिडनी की पिच पर हो रही धीमी बल्लेबाजी : पंत

सिडनी, 3 जनवरी। सिडनी में भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं सिडनी टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद टीम इंडिया के विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के पहले दिन संयम के साथ बल्लेबाजी की क्योंकि, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच ऐसी नहीं है कि अपना स्वभाविक आक्रामक खेल खेलें। मेलबर्न में पिछले टेस्ट के दौरान लापरवाही भरे शॉट खेलकर आउट होने के कारण आलोचना झेलने वाले पंत ने शुक्रवार को सिडनी में 98 गेंद पर 40 रन बनाए।

राजधानी

जीरो पेंडेन्सी के साथ राजस्थान विधानसभा को देश की आदर्श विधानसभा बनाये : देवनानी

विधानसभा के लम्बित प्रश्नों पर अध्यक्ष देवनानी ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित वरिष्ठ अधिकारियों की विधानसभा में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

- 'व्यावहारिक कठिनाई बताएं और सदन चले तब अधिकारी बैठे दीर्घा में और परिणामदायक कार्य करें'
- 20 जनवरी तक सभी लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण और विशेष उल्लेख के प्रस्तावों के जवाब आवश्यक रूप से भेजे जाने के निर्देश दिये देवनानी ने

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधानसभा आमजन की समस्या के समाधान का सशक्त प्लेटफार्म है। विधायकों द्वारा जन समस्याओं के संबंध में उठाये गये मुद्दों के निराकरण विधानसभा के पवित्र सदन में होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारी समस्याओं के निराकरण करने में सहयोगी बने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। देवनानी का मानना था कि मिशन के रूप में कार्य करने से ही राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का परिणाम धरातल पर दिखाई दे सकेगा। देवनानी ने कहा कि विधानसभा से संबंधित प्रश्नों के जवाब के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, लेकिन अभी और अधिक बेहतर किये जाने की आवश्यकता है। देवनानी शुक्रवार को यहां विधानसभा में लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों, आश्वासनों एवं याचिकाओं के संबंध में राज्य सरकार के मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

देवनानी ने कहा कि प्रश्नों के जवाब लम्बे समय तक विधानसभा को प्राप्त नहीं होना चिन्ता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि विधानसभा के प्रश्नों के जवाब समय सीमा में भेजा जाना सुनिश्चित करें। यह महत्वपूर्ण कार्य है। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र से पहले 20 जनवरी तक सभी प्रश्नों के जवाब विधानसभा को आवश्यक रूप से भेजे। देवनानी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वायत्त शासन विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास विभाग और गृह विभाग का नाम प्रमुखता से लेकर कहा कि इन विभागों में विधानसभा के प्रकरण अधिक संख्या में लम्बित है।

देवनानी ने कहा कि इन विभागों को प्राथमिकता से गम्भीर होकर विधानसभा के मामलों का निस्तारण समय सीमा में करना होगा। देवनानी अधिक प्रश्नों के बकाया जवाबों वाले विभागों के अधिकारियों से रूबरू हुए और उनसे प्रश्नों के जवाब नहीं आने के कारणों की जानकारी ली। देवनानी ने कहा की विधानसभा की समितियों की कार्यवाही को भी प्रशासनिक अधिकारी गंभीरता से लें ताकि ऑडिट पैराओ पर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई हो सके। देवनानी ने कहा कि अधिकारी विधानसभा से संबंधित मामलों में इस तरह की मॉनिटरिंग करें की लम्बित प्रश्नों के मामले में उन्हें भविष्य में अन्य बैठक बुलाने की आवश्यकता ही ना हो। जनहित के मामलों का निस्तारण विधानसभा में समय सीमा में कराया जाना सशक्त लोकतंत्र के लिये आवश्यक है।

देवनानी ने कहा कि विधानसभा से संबंधित प्रश्नों के मामले में विभाग के अधिकारियों के साथ कैम्प लगाकर युद्ध स्तर पर कार्य निस्तारण की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि यह गभीर मामले हैं, इन्हें समय से निर्णित किया जाना आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यदि इन मामलों में कोई समस्या है तो बताये और उसके साथ ही समस्या के निराकरण के मार्ग भी सुझाये, ताकि परिणामदायक कार्य हो सके। देवनानी ने कहा कि अधिकारी विधानसभा के प्रति संवेदनशील बने। सदन में 200 विधायकगण बैठते हैं। राज्य सरकार भी यहां राज्य कार्यों को सम्पादित करती है। उन्होंने कहा कि अधिकारी विधानसभा को गम्भीरता से ले। अधिनस्थ अधिकारियों की कार्य व्यवस्था को प्रभावी बनाये और परिणाम देने वाला परिश्रम करें।

देवनानी ने कहा कि विधानसभा में राज्य के निगमों, बोर्ड आदि के प्रतिवेदन समय पर नहीं आते हैं। यह ठीक नहीं है। इसे गम्भीरता से ले और जिम्मेदारी तय करें। देवनानी ने अधिकारियों से पूछा कि प्रश्नों के जवाब भेजने में क्या कठिनाई है? क्यों प्रश्नों के जवाब लम्बित रहते है। किस स्तर पर विधानसभा के कार्यों को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे पीडा है कि प्रश्नों के जवाब निर्धारित समय सीमा में नहीं आ रहे है। देवनानी ने कहा कि प्रत्येक विभाग में विधानसभा प्रकोष्ठ संचालित होने के बावजूद भी प्रश्नों के जवाब नहीं आना दु:खद है।

देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार और विधानसभा के कार्यों का उद्देश्य एक ही है। विधायकों द्वारा पूछे जा रहे प्रश्नों के जवाब तय समय सीमा में आये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और विधानसभा के अधिकारीगण प्रश्नों के जवाब में आ रही कठिनाइयों को मिलकर दूर करें और समय पर प्रश्नों के जवाब भेजे जाना सुनिश्चित करें। बैठक में सोलहवीं वे पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा के लम्बित प्रकरणों की 3 जनवरी तक की वस्तु स्थिति का विभागवार प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण और राजस्थान विधानसभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा और विशिष्ट सहायक के. के.शर्मा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार देर रात को जयपुर शहर में जरूरतमंद एवं निराश्रितों के लिए अल्बर्ट हॉल के नजदीक संचालित रैन बसेरे में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जयपुर शहर में संचालित समस्त रैन बसेरों में विश्राम करने एवं शयन की आवश्यकता से रूकने वाले जरूरतमंदों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने रैन बसेरों में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखने एवं एंट्री रजिस्टर को अच्छे से मेंटेन करने के निर्देश दिए। शर्मा ने जेएलएन मार्ग पर सड़क किनारे रह रहे निराश्रित लोगों एवं दिव्यांगजन को सर्दी से बचाव के लिए कंबलों का वितरण किया। उन्होंने सभी से आत्मीयता से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी और राज्य सरकार द्वारा हर संभव सहयोग देने के लिए उन्हें आश्वस्त भी किया। इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित अधिकारी मौजूद रहे।

रीको ने प्रत्यक्ष भूखण्ड आवंटन योजना मंजूर की

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान राज्य सरकार के साथ एमओयू करने वाले उद्यमियों को सुगमता से उद्योग स्थापित करने के लिये भूमि आवंटन हेतु रीको प्रबंधन द्वारा "प्रत्यक्ष भूखण्ड आवंटन योजना" स्वीकृत कर दी गई है। इस योजना में जिन उद्यमियों ने राइजिंग राजस्थान के दौरान एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं उनकी पात्रता को देखते हुये औद्योगिक भूखण्ड आवंटित किए जाएंगे। रीको द्वारा भूखण्ड आवंटित करने के लिए ऑनलाइन पॉर्टल विकसित किया गया है जिस पर उद्यमी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट- 2024 का आयोजन जयपुर में 9 से 11 दिसंबर को किया गया था जिसका उद्घाटन 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इस विश्वस्तरीय आयोजन में देश-विदेश के निवेशकों एवं विभिन्न उद्यमियों ने भाग लिया एवं इस कड़ी में रिकार्ड एमओयू हस्ताक्षरित हुए। इन एमओयू को धरातल पर लाने, निवेश आकर्षित करने एवं उद्यमियों को सुविधाएं देने हेतु राज्य सरकार ने एक नीतिगत ढांचा (पॉलिसी फ्रेमवर्क) तैयार विभिन्न नीतियां जारी की, यथा राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी-2024, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024 एवं राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पॉलिसी-2024 इत्यादि। रीको ने भी राज्य मे औद्योगिकीकरण को बढ़ावा एवं राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान निष्पादित हुए एमओयू को निवेश में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसके अन्तर्गत रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए प्रत्यक्ष भूखण्ड आवंटन योजना तैयार स्वीकृत की गई है।

एमओयू निष्पादित कर चुके उद्यमी रीको के चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड की निर्धारित आरक्षित दर पर विभिन्न क्षेत्रफल के अधिकतम तीन भूखण्डों (वरीयता क्रम में) के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं ईएमडी के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस हेतु उद्यमी अपनी रूचि अनुसार एक ही औद्योगिक क्षेत्र अथवा वरीयता क्रम में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अधिकतम तीन भूखण्डों के लिए विकल्प दे सकता है। समस्त आवेदनों का मूल्यांकन उनके द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट रिपोर्ट में वर्णित प्रस्तावित स्थायी पूंजी निवेश, प्रदान किये जाने वाले रोजगार, उत्पादन समय सीमा, उद्योग संचालन का अनुभव, निर्यातोन्मुखी इकाई, वर्तमान इकाई के विस्तार हेतु भूमि की आवश्यकता एवं टर्नओवर आदि कारकों के आधार पर किया जाएगा। उक्त किये जाने वाले मूल्यांकन के आधार पर अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले आवेदक को प्रथम वरीयता क्रम में एक ही भूखण्ड का आवंटन होगा। एमओयू करने वाले उद्यमी/ग्रुप को एक ही भूखण्ड का आवंटन किया जाएगा।

किसी भूखण्ड पर एक से अधिक आवेदकों द्वारा अधिकतम अंक समान होने की स्थिति में अधिकतम निवेश का प्रस्ताव देने वाले आवेदक को ऐसे चिन्हित भूखण्ड का आवंटन किया जाएगा। अगर किसी भूखण्ड पर प्रथम वरीयता के आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं तब क्रमश: द्वितीय एवं तृतीय वरीयता वाले आवेदनों पर विचार किया जाएगा।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के तहत चिन्हित उपखंड अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित दर पर रीको द्वारा स्थापित नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में ऑनलाइन ई-लॉटरी के माध्यम से 50 प्रतिशत बिक्री योग्य औद्योगिक भूमि (आरक्षित भूखण्डों सहित) में एमएसएमई जिन्होंने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, उनको औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन होगा। इसमें भी उनके द्वारा दी गई प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर ही भूखण्ड आवंटन किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रीको के चेयरमैन अजिताभ शर्मा ने बताया कि लंबे समय से उद्यमियों की मांग थी कि रीको को सिर्फ ई-नीलामी के स्थान पर प्रत्यक्ष आवंटन भी किये जाने चाहिये ताकि उचित कीमत पर भूमि उपलब्ध हो सके। राजस्थान सरकार ने भी इस पर सकारात्मक रूख दिखाते हुए इस संबंध में दिशानिर्देश दिए।

सहारा क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी के मंडल प्रमुख गिरफ्तारी वारंट से तलब

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने आदेश का पालन नहीं करने पर सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के मंडल प्रमुख अब्दुल कामरान, रितिका जैन व आदित्य बनर्जी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए हैं कि वे गिरफ्तारी वारंट की तामील करवा कर 9 जनवरी तक आयोग को सूचित करें। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश दिनेश कुमार व चांद देवी के अवमानना प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने कहा कि सहारा मंडल प्रमुख के खिलाफ कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं, लेकिन उनकी तामील अभी तक नहीं हुई है। ऐसे में आगामी तारीख से पहले वारंट की तामील करवाई जाए।

अवमानना प्रार्थना पत्र में कहा कि आयोग ने प्रार्थी के पक्ष में 19 जुलाई 2022 को आदेश दिया था। जिसकी पालना में सोसायटी को जमा राशि और आयोग की ओर से लगाया गया हर्जाना तय मियाद में प्रार्थी को देना था, लेकिन विपक्षी सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी ने आदेश की पालना नहीं की है। ऐसे में सोसायटी के दोषी अधिकारियों को अवमानना के लिए दंडित किया जाए और प्रार्थी को हर्जाना राशि सहित समस्त बकाया भुगतान दिलाया जाए।

इस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने सोसायटी के तीनों आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

'कांग्रेस ने पांच साल में जनता का कोई भला नहीं किया'

जयपुर। धोद से भाजपा विधायक गोरधन वर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गरीबों को योजनाओं का लाभ देकर उनका भला कर रही है। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल के आखिरी साल में इन्वेस्टमेंट समिट की जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल जी ने सरकार के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया। इससे बड़े स्तर पर प्रदेश में निवेश आएगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। विधायक गोरधन वर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावी फायदा लेने के लिए नए जिले और संभाग बनाए। इनके लिए पर्याप्त बजट भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कमेटी और विशेषज्ञों की राय के आधार पर ही नए जिले एवं संभागों पर सही फैसला लिया गया है। अब कांग्रेस पार्टी और उसके नेता बौखलाहट में अमर्यादित बयानबाजी कर रहे हैं। पांच वर्ष की कांग्रेस सरकार में अशोक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए थे।